Thakur, Shri Rameshwar
Thakur, Shri Surendra Singh
Tiria, Kumari Sushila
Topden, Shri Karma
Tyagi, Shri Shanti
Verma, Shri Kapil
Verma, Shrimati Veena
Vincent, Shri M.
Yadav, Shri Ram Naresh
Yadava, Shri Bal Ram Singh
Yonggam, Shri Nyodek

NOES — 20

Amin, Shri Mohammed
Baby, Shri M.A.
Balanandan, Shri E.
Basu Ray, Shri Sunil
Bhattacharya, Prof. Saurin
Biswas, Shri Debabrata
Chaudhuri, Shri Tridib
Das Gupta, Shri Gurudas
Ghosh, Shri Dipen
Goswami, Shri Ramnarayan
Kar, Shri Narayan
Maheshwari, Shrimati Sarala
Md. Salim, Shri
Mukherjee, Shri Samar
Pillai, Shri Ramachandran
Poddar, Dr. R.K.
Rai, Shri Ratna Bahadur
Rao, Shri Moturu Hanumantha
Sen, Shri Ashis
Sen, Shri Sukomal

The motion was adopted

MR. CHAIRMAN: Now the House stands adjourned for lunch to meet again at 3.00 P.M.

The House then adjourned for lunch at fifty-eight minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at two minutes past three of the clock, THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) in the Chair.

SUPPLEMENTARY DEMAND FOR GRANTS (RAILWAYS) 1991-92

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): Mr. Vice-Chairman, Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (Railways) for the year 1991-92.

SPECIAL MENTIONS

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Shrimati Bijoya Chakravarty—absent. Shri Bhupinder Singh Mann—absent. Shrimati Veena Verma.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE (Maharashtra): Sir, she is present. She is a very conscientious member.

Sri Lankan TV's bid to storm South India

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने इस विशेष उल्लेख के द्वारा सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान एक प्राइवेट टेलीविजन कंपनी द्वारा व्यापक पैमाने पर श्रीलंका में टी०वी० रिले केन्द्र की स्थापना कर पूरे दक्षिण भारत को अपनी चपेट में लेने तथा भारतीय दूरदर्शन को पछाड़ने की योजना से उत्पन्न गंभीर खतरे की ओर आकृष्ट कराना चाहती हूं क्योंकि इसके भारत-श्रीलंका संबंधों तथा एल०टी०टी०ई० के प्रभावों के बीच भारत के विरुद्ध सशक्त प्रचार मंच के रूप में उग्रवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने की संभावना है जैसाकि भारत विरोधी लोगों द्वारा सीमावर्ती प्रदेशों में पाक टी०वी० का इस्तेमाल हो रहा है और आज यह हमारी सुरक्षा व्यवस्था का संवेदनशील हिस्सा बना हुआ है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी तक केबल टी०वी०, डिश एंटिना और संचार क्रांति के अन्य माध्यमों के बढ़ते इंद्रजालिक प्रभाव से भारतीय दूरदर्शन उबर ही नहीं पाया था कि पड़ोस में श्रीलंकाई टी०वी० ने प्रायवेट कंपनी के सहारे पूरे दक्षिण भारत में अपना नेटवर्क फैलाने तथा अगस्त माह से कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाकर भारतीय दूरदर्शन को और संकट में डाल दिया है और उसके नेटवर्क पर जबरदस्त हमला बोला है। यह चुनौती भयानक ही नहीं भारतीय दूरदर्शन के लिए घातक भी है। वर्तमान समय में भारतीय दूरदर्शन के कार्यक्रमों और उसके नेटवर्क की जो स्थिति है, भविष्य में यदि उसमें उत्तरोत्तर सुधार नहीं हुआ तो उसके और नीचे आने की संभावना है। श्रीलंका टी०वी० के एक प्रवक्ता के अनुसार उनका उद्देश्य दक्षिण भारत से बड़ी संख्या में विज्ञापन आय प्राप्त करने का है। प्रवक्ता के अनुसार इस क्षेत्र में अच्छे टी०वी० प्रोग्राम द्वारा दक्षिण भारतीय घरों के लिविंग रूम्स में घुसना है। उनके प्रवक्ता के अनुसार उनके प्रोग्राम में अमेरिका, ब्रिटेन, कम से कम एक जापानी टी०वी० का